अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारको,

वित्त वर्ष 2012-13 के लिए आपके बैंक की 17वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है. इस महान संस्था के प्लैटिनम जयंती वर्ष में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार आपको संबोधित करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं.

बैंक के प्लैटिनम जयंती वर्ष में मुझे आपको यह सूचित करते हुए खुशी होती है कि आपके निरंतर सहयोग और ग्राहकों के विश्वास से आपका बैंक रू.1,50,000 करोड़ के मिश्रित कारोबार का कीर्तिमान पार कर सका. अब आपका बैंक मध्यम आकार के बैंकों की श्रेणी में शामिल हो गया है. विश्व की अर्थव्यवस्था के चुनौतीपूर्ण वातावरण और विपरीत बाजार परिस्थितियों में भी बैंक का मिश्रित कारोबार 31 मार्च 2013 को अब तक के सबसे उच्च स्तर रू.1,63,664 करोड़ तक पहुंच गया.

वैश्विक आर्थिक वातावरण

वर्ष 2012 पूरे विश्व के लिए धीमी वृद्धि का वर्ष रहा और आई.एम.एफ. के पूर्वानुमान के अनुसार विश्व अर्थव्यवस्था में 2013 के दौरान वृद्धि दर 3.3% रहने की संभावना है, जबकि वर्ष 2012 में वह दर 3.2% थी. विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी का वातावरण बना रहा. अमेरीका की अर्थव्यवस्था, जिसने पहले वृद्धि दर दर्शायी थी वह बजट के विपरित प्रभाव के कारण 2013 के दौरान धीरे-धीरे वृद्धि दर्शाएगी. जापान की अर्थव्यवस्था ने मौद्रिक और वित्तीय प्रोत्साहन उपायों के फलस्वरूप कुछ सुधार के संकेत दिए हैं. सरकारी ऋण संकट और आस पास के यूरो जोन के देशों में बैंकिंग प्रणाली असफल होने और उसकी प्रमुख अर्थव्यवस्था जैसे जर्मनी की अर्थव्यवस्था में संकुचन होने से यूरो जोन में नकारात्मक वृद्धि रही.

उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में भी वृद्धि दर कम रही. जो पूरे विश्व में विश्व अर्थव्यवस्था के संवृद्धि के कारक माने जाते थे. ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की वृद्धि दर में बढ़त हुई जबकि रूस, चीन और भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि कम रही.

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जी.डी.पी.के संबंध में पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2012-13 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 5% की दर से वृद्धि होने की संभावना थी, जबकि वर्ष 2011-12 के दौरान उसमें 6.21% की वृद्धि हुई थी. यह मुख्यत: औद्योगिक उत्पादन में कमी और घरेलू आपूर्ति की बाधाओं और बाहरी मांग कम होने के कारण हुई. इससे सेवा सेक्टर में भी मंदी उत्पन्न हुई, जो कि विकास दर की प्रमुख घटक है.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने वृद्धि - मुद्रास्फीति के सिद्धांत में संतुलन बनाने के लिए वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न उपाय किए ताकि वित्तीय प्रणाली में अधिक तरलता बनाई रखी जा सके. इसके फलस्वरूप मुद्रा स्फीति को उचित स्तर तक बनाए रखा जा सका. खाद्य पदार्थों की मुद्रा स्फीति जो कि (ग्रामीण और शहरी) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) द्वारा संयुक्त रूप में मापी जाती है, दो अंकों में बनी रही जो कि चिंता का विषय है. वर्ष 2013-14 की दूसरी छमाही के दौरान जी.डी.पी. में संतुलित वृद्धि दर बने रहने की उम्मीद है.

Dear Shareholders,

It gives me immense pleasure to place before you the 17th Annual Report of your Bank for the financial year 2012-13. I feel elated while making this maiden address to you on assuming the position of Chairman and Managing Director of this great institution in its Platinum Jubliee year.

In this Platinum Jubilee year of the Bank, I am pleased to inform you that with your unstinted support and confidence of the customers, your Bank was able to cross the landmark milestone of ₹ 1,50,000 crore in Business Mix. Your Bank has been elevated now to Mid size Bank group. Inspite of challenging macroeconomic environment and adverse market conditions the Business Mix of the Bank stood at an all time high of ₹ 1,63,664 Crore as on 31st March, 2013.

Macro Economic Environment:

The year 2012 had been a year of slow growth world over and as per IMF forecast Global Economy is likely to show a growth of 3.3% during 2013 as compared to growth of 3.2% during 2012. The Global Economies witnessed a subdued growth with diverging growth paths across major economies. US economy which has registered a modest recovery is again subject to the adverse impact of the budget sequestration which will gradually gain pace during 2013. Japan's economy has shown signs of improvement on account of monetary and fiscal stimulus undertaken. The sovereign debt crises and the danger of a banking system meltdown in peripheral euro zone countries coupled with contraction in its major economies like Germany has resulted in negative growth in Euro zone.

The growth in the Emerging Market Economies which are viewed as growth engines of the world economy world over have also slowed down with Brazil and South Africa registering accelerated growth where as Russia, China and India a lower growth.

According to the Central Statistics Office's advance estimate of GDP growth, Indian Economy is expected to grow at 5% during the year 2012-13 as compared to a growth of 6.21% registered during 2011-12. This has been mainly on account of week industrial activity compounded by domestic supply bottlenecks and slackening of external demand. This has also slowdown the growth in the service sector which has been the main driver of the growth.

The Reserve Bank of India in order to strike a balance in growth- inflation dynamics have initiated various measures during 2012-2013 to provide greater liquidity to financial system. This has resulted in moderating the headline inflation within its acceptable level. The food inflation as measured by new combined (rural and urban) consumer price index (CPI) remains in double digit is a cause of concern. The measures initiated are expected to result in moderate growth in GDP in the second half of 2013-2014.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

बैंकिंग क्षेत्र

औद्योगिक क्रियाकलापों में मंदी को ध्यान में रखते हुए, जिससे जोखिम बढ़ने और मांग में कमी होने की संभावना है, वर्ष के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में वृद्धि दर संतुलित रही. 2012-13 के दौरान गैर खाद्य साख में केवल 14% की वृद्धि हुई जबकि 2011-12 के दौरान वह 17% थी. 2012-13 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमा राशियों में वृद्धि 14.30% रही.

बैंक का निष्पादन

चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद, आपका बैंक अच्छा निष्पादन दर्शाने में सफल रहा और बैंक ने विभिन्न मानदंडों में सर्वांगीण वृद्धि दर्ज की है. मैं कुछ ऐसे क्षेत्रों के बारे में बताना चाहूंगा, जिनमें 2012-13 के दौरान आपके बैंक ने अच्छा निष्पादन दर्शाया.

बैंक का कुल कारोबार मार्च 2012 के रू.1,34,326 करोड़ के स्तर से बढ़कर 21.84% की वृद्धि दर से मार्च 2013 को रू.1,63,664 करोड़ की नई ऊंचाई पर पहुंच गया.

कुल जमा राशियां 25.97% की वृद्धि दर से मार्च 2013 को रू.97,207 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई, जबकि मार्च 2012 में वह रू.77,167 करोड़ थी.

बैंक के कुल अग्रिम, जो कि मार्च 2012 में रू.57,159 करोड़ थे, 16.27% की वृद्धि दर्ज करते हुए मार्च 2013 को रू.66,457 करोड़ के स्तर तक पहुंच गये.

एम.एस.एम.ई और रिटेल साख को वृद्धि के मुख्य कारक के रूप में पहचान किए जाने के फलस्वरूप इन दो सेक्टरों में साख विनियोजन पर ध्यान केंद्रित किया गया. एम.एस.एम.ई ऋण 28.73% की वृद्धि के साथ रू.10,673 करोड़ तक पहुंच गए. समग्र रिटेल साख की तुलना में, जोकि रू.7724 करोड़ थे, बैंक ने प्रत्यक्ष रिटेल साख पर जोर दिया जोकि 18.83% की वृद्धि के साथ रू.6480 करोड़ तक पहुंच गए. कृषि क्षेत्र के ऋण मार्च 2013 को 21.19% की वृद्धि के साथ रू.6,719 करोड़ तक पहुंच गये. एम.एस.एम.ई सेक्टर में आस्तियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने क्रिसिल (सी.आर.आई.एस.आई.एल.) तथा डी.यू.एन एवं ब्रेडस्ट्रीट जैसी प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियों के साथ गठबंधन किया. यह एजेंसियां रू.1.00 करोड़ से अधिक और रू.25 करोड़ तक के एम.एस.एम.ई उधारकर्ताओं के बारे में आवश्यक जांच पड़ताल और साख रेटिंग का कार्य करती हैं. बैंक ने सिडबी के साथ भी गठबंधन किया है जो कि आवश्यक जांच पड़ताल और साख रेटिंग करने के बाद एम.एस.एम.ई उधारकर्ताओं के ऋण आवेदन शाखाओं को भेजते हैं.

बैंक की कुल आय में रू.2,179 करोड़ (29.53%) की वृद्धि हुई जिससे वह रू.9,555 करोड़ तक पहुंच गई जब कि पिछले वर्ष के दौरान अर्जित आय रू.7,376 करोड़ थी. बैंक की ब्याज आय 30.99% की वृद्धि के साथ चालू वर्ष के दौरान रू.8,899 करोड़ तक पहुंच गई.

बैंक की निवल ब्याज आय (एन.आई.आई.) 13.42% की वृद्धि के साथ रू.2383 करोड़ तक पहुंच गई जबकि पिछले वर्ष के दौरान वह रू.2,101 करोड़ थी.

Banking Sector:

In view of the slowing down in the industrial activity reflecting some risk aversion and muted demand, the Banking Sector growth has moderated during the year. The non food credit grew at only 14% during 2012-2013 compared to 17% in FY. 2011-2012. The deposit growth of the scheduled commercial Banks was 14.30% during 2012- 2013.

Performance of the Bank:

Despite this challenging environment, your Bank has been able to perform reasonably well registering an all-round growth in various parameters. I would like to touch upon some of the areas where your Bank has performed well during 2012-13.

Business Mix of the Bank has increased from ₹1,34,326 crore as of March 2012, to a new height of ₹1,63,664 crore as of March 2013, registering a growth of 21.84%.

Total Deposits have grown to the level of ₹97,207 crore as of March 2013 as compared to ₹77,167 crore as of March 2012, registering a growth of 25.97%.

Total Advances of the Bank stood at ₹ 66,457 crore as of March 2013 as compared to ₹ 57,159 Crore as of March 2012, registering a growth of 16.27%.

Having identified MSME and Retail credits as main growth engines, the credit deployment has been strategically focused with emphasis on these sectors. MSME loans stood at ₹10,673 crore showing an increase of 28.73%. Bank emphasized more on Direct Retail Credit which stood at ₹6,480 crore, up by 18.83% compared to overall retail credit which stood at ₹7,724 crore. The loans to agriculture sector stood at ₹6,719 crore, registering a growth of 21.19% as of March 2013.In order to ensure asset quality of the MSME sector Bank has entered into tie-up with rating agencies of repute like CRISIL and Dun and Bradstreet who undertake due diligence and Credit rating exercise of MSME Borrowers with credit limits above ₹1.00 crore upto ₹ 25.00 crore. Bank has also entered into tie up with SIDBI who after doing due diligence and credit rating forward the loan application of the MSME borrowers to the Branches.

Total income of the Bank for the year has increased by ₹ 2,179 Crore (29.53%) and stood at ₹ 9,555 Crore as compared to Income of ₹ 7,376 Crore earned during the previous year. Interest income of the Bank registered an increase by 30.99% and reached a level of ₹ 8,899 Crore during the current year.

The Bank's net interest income (NII) has increased by 13.42% and stood at ₹2,383 Crore as compared to ₹2,101 Crore posted during the previous year.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

गैर ब्याज आय में चालू वर्ष के दौरान रू.73 करोड़ (12.54%) की वृद्धि हुई.

जैसे की पहले कहा गया है चुनौतीपूर्ण आर्थिक वातावरण में भी आपका बैंक वर्ष के दौरान अपना निवल लाभ रू.810 करोड़ के स्तर तक बनाए रखने में सफल रहा जो कि पूर्व वर्ष के दौरान रू.803 करोड़ के लाभ के स्तर में 0.90% की वृद्धि दर्शाता है.

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी होती है कि बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वर्ष के लिए 30% (रू.3.00 प्रति शेयर) लाभांश के समक्ष चालू वर्ष के लिए अब तक का सर्वाधिक 47% (अर्थात रू.4.70 प्रति शेयर) लाभांश की सिफारिश की है.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान आस्ति गुणवत्ता सामान्य रुप में दबाव में रही. तथापि, ऐसे चूनौतीपूर्ण वातावरण में भी आपका बैंक सम्मिलित प्रयासों के कारण एन. पी.ए. को सीमित रखने में सफल रहा. हाल ही में एन.पी.ए. में गए खातों के उन्नयन, समझौता निपटान के द्वारा वसूली, सरफेसी अधिनियम के अधीन कार्रवाई आदि के लिए प्रयास किए जाने से बैंक एन.पी.ए. को कम स्तर पर बनाए रख सका. इन प्रयासों से वर्ष के दौरान बेहतर नकद वसूली हुई.

सकल एन.पी.ए. में समग्र रूप में रू.495 करोड़ की वृद्धि हुई वह 31.03.2012 को रू.957 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31.03.2013 को रू.1452 करोड़ हो गया. बैंक का सकल एन.पी.ए. अनुपात 31.03.2012 के 1.67% से बढ़कर 31.03.2013 को 2.19% हो गया.

बैंक का निवल एन.पी.ए. 31.03.2012 को 1.01% था और वह 31.03.2013 को 1.39% हो गया. बैंक के निवल एन.पी.ए. में समग्र रूप में रू.345 करोड़ की वृद्धि हुई और वह 31.03.2012 को रू.572 करोड़ से बढ़कर 31.03.2013 को रू.917 करोड़ तक पहुंच गया.

प्रावधान कवरेज अनुपात (विवेकपूर्ण बट्टे खाते सहित) 69.58% रहा.

वर्ष 2012-13 के दौरान एन.पी.ए खातों में नकद वसूली रू.227 करोड़ हुई और खातों का उन्नयन रू.159 करोड़ किया गया. बैंक ने वर्ष के दौरान बट्टे खाते लिखे गये खातों में रू.78.73 करोड़ की वसूली की.

वर्ष के दौरान बैंक ने 1863 वसूली शिविरों का आयोजन किया जिनमें 18639 उधारकर्ताओं ने भाग लिया. वर्ष के दौरान इन वसूली शिविरों में रू.41.78 करोड़ के 3916 खातों का निपटान किया गया और रू.31.03 करोड़ के 1261 खातों का उन्नयन किया गया.

नए पूंजी पर्याप्तता मानदंड

मार्च 2013 को पूंजी से जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सी.आर.ए.आर.), 9% आवश्यकता के समक्ष मार्च 2013 को 11.03% रहा जबकि मार्च 2012 को वह 11.51% था. तथापि, बेसल II के अंतर्गत बैंक का मूल सी. आर.ए.आर. 31.03.2013 को 7.26% है.

Non Interest income has increased by ₹73 crore (12.54%) during the current year.

As stated earlier, despite challenging economic environment your Bank has been successful in maintaining its Net profit at a level of ₹810 crore during the year registering an increase of 0.90% over the level of ₹803 crore in previous year.

I am happy to announce that the Board of Directors of the Bank have recommended an all time high dividend of 47% (i.e ₹4.70 per Share) for the current year as against 30% (₹3.00 per Share) for the previous year.

Asset Quality:

The asset quality in general has been under stress during the year. However, inspite of such challenging environment, your Bank with its concerted efforts has been able to contain the NPAs. The efforts made for upgradation of recently slipped NPAs, recovery through compromise settlements, action under SARFAESI Act etc has enabled Bank to maintain NPA at a low level. The efforts have also contributed in achieving improved cash recovery during the year.

The Gross NPA, in absolute terms, increased by ₹495 Crore from ₹957 Crore as on 31st March 2012 to ₹1452 Crore as on 31st March 2013. Gross NPA ratio of the Bank increased to 2.19 % as on 31.03.2013 from 1.67 % as on 31.03.2012.

The Net NPA ratio of the Bank stood at 1.39% as on 31.03.2013 as against 1.01% as on 31.03.2012. Net NPAs, in absolute terms increased by ₹345 Crore from ₹572 Crore as on 31st March 2012 to ₹917 Crore as on 31st March 2013.

Provision Coverage Ratio (including Technical write off) stood at 69.58%.

The cash recovery in NPA Accounts during the year 2012-13 was ₹227 Crore and up gradation in the accounts was ₹159 Crore. The Bank recorded recovery of ₹78.73crore in written off accounts.

The Bank conducted 1863 recovery camps during the year, which were attended by 18639 borrowers. A total of 3916 accounts were settled for ₹ 41.78 Crore and 1261 accounts were upgraded for ₹ 31.03 Crore during the year through such recovery camps.

New Capital Adequacy Norms:

The Capital to Risk (Weighted) Asset Ratio (CRAR) stood at 11.03% as of March 2013, compared to 11.51% as of March 2012, against the requirement of 9%. However, the Core CRAR of the Bank under Basel II is 7.26 % as on 31st March, 2013.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

31.03.2013 को बैंक की निवल संपत्ति बढ़कर रू.4,626 करोड़ हो गई जबकि 31.03.2012 को वह रू.4,256 करोड़ थी, इसमें रू.370 करोड़ (8.70%) की वृद्धि हुई.

नेटवर्क और सुपुर्दगी चैनल

सुपुर्दगी चैनलों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंक ने 2012-13 के दौरान 122 नई शाखाएं खोली. मार्च 2013 को बैंक की कुल शाखाओं की संख्या 1464 थी. बैंक की सभी शाखाएं सी.बी.एस. के अंतर्गत परिचालित हैं.

बैंक की चालू वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में लगभग 150 और शाखाएं खोलने की योजना है.

ग्राहकों की सुविधा के लिए 31.03.2013 तक बैंक ने कुल 620 ए.टी.एम. संस्थापित किये, जिनमें 495 ऑनसाइट तथा 125 ऑफसाइट ए.टी.एम. थे. इनमें 23 ए.टी.एम.बायोमैट्रिक हैं जो अंगूठे के निशान से परिचालित किए जा सकते हैं जो कि (वित्तीय समावेशन के अंतर्गत) छोटे ग्राहकों तथा कम पढ़े लिखे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक हैं.

मानव संसाधन विकास

बैंक जैसे संस्थान को सफल होने के लिए यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि जनशक्ति पर्याप्त प्रशिक्षित और कुशल हो. बैंक अपने कर्मचारियों को विभिन्न स्थानों पर स्थित अपने कर्मचारी प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है और प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे एन.आई.बी.एम., सी.ए.बी., बी.आई. आर.डी., बी.टी.सी., आदि के माध्यम से भी प्रशिक्षण प्रदान करता है.

वर्ष के दौरान बैंक ने 370 अधिकारियों (जिसमें परिवीक्षाधीन अधिकारी भी शामिल हैं) और 701 लिपिक भर्ती किए और बैंक ने 700 परिवीक्षाधीन अधिकारियों, 482 विशेषज्ञ अधिकारियों तथा 894 लिपिकों की भर्ती के लिए कार्रवाई आरंभ कर दी है ताकि वर्ष 2013-14 के दौरान नई शाखाएं खोलने और कारोबार बढ़ाने के लिए कार्मिकों की आवश्यकता पूरी की जा सके.

टेक्नोलॉजी के माध्यम से रूपांतरण

मार्च 2013 को बैंक की सभी 1464 शाखाएं और समस्त कारोबार को सी. बी.एस. के अंतर्गत लाया गया.

"देना आई कनेक्ट" - इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं और **"देना एम कनेक्ट"** - मोबाइल बैंकिंग सेवा ग्राहकों को उनके घर या कार्यालय से ही 24 घंटे बैंकिंग लेन देन करने की सुविधा प्रदान करती है. बैंक के ग्राहक शाखा में गए बिना इंटरनेट के माध्यम से प्रत्यक्ष करों और अप्रत्यक्ष करों का भुगतान कर सकते हैं तथा एन.ई.एफ.टी. / आर.टी.जी.एस. के माध्यम से अपनी निधियों का अंतरण भी कर सकते हैं.

इस वर्ष **"देना आई कनेक्ट"** को उपयोगकर्ताओं के अनुकूल बनाने के लिए इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों के लिए बैंक ने पासवर्ड के स्वयं सृजन की सुविधा कार्यान्वित की है.

The Net Worth of the Bank increased to ₹4,626 crore as on 31.03.2013 from ₹4,256 crore as on 31.03.2012, registering a growth of ₹370 Crore (8.70%).

Network and Delivery Channels

In the efforts to expand outreach, Bank has opened 122 new branches during 2012-13. The total number of branches of the Bank stood at 1464 as of March 2013. All the branches of the Bank are covered under CBS.

During the current year, Bank proposes to open around 150 more Branches in various parts of the country.

As at 31st March 2013, the Bank has installed 620 ATMs comprising of 495 on-site ATMs and 125 Off-site ATMs for the convenience of customers. 23 of the ATMs are bio-metric ATMS and can be operated by thumb impression which is convenient for small customers (under financial inclusion) and semi-literate persons.

Human Resource Development

For an organization like Bank to succeed, it is of prime importance that human resources are adequately skilled and efficient. Bank has been imparting training to its employees at its in- house training centers at various locations and also through reputed institutions like NIBM, CAB, BIRD,BTC, etc.

During the year, the Bank has recruited 370 officers (including PO's), and 701 clerks and Bank has initiated process for futher intake of 700 Probationary Officers , 482 Specialist officers and 894 clerks to meet its requirements of personnel for increasing business levels and opening of new branches during 2013-2014.

Transformation through Technology

As of March 2013, all the 1,464 branches of the bank and the entire business have been brought under CBS.

"***Dena i Connect***" - Internet Banking services *and* ***Dena MConnect*** the mobile Banking Service provide customers the convenience of performing banking transactions on 24x7 basis from their home or office. The customers of the Bank can make payment of Direct Taxes and Indirect Taxes, transfer funds through NEFT/RTGS through internet without visiting the branch

This year your bank implemented self generation of password utility for internet banking customers to make ***Dena i Connect*** more user friendly.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

मोबाइल बैंकिंग के क्षेत्र में आपके बैंक ने राष्ट्रीय भुगतान काउंसिल द्वारा आरंभ की गई तुरंत भुगतान सेवा (आई.एम.पी.एस.) आरंभ की है, जिससे ग्राहक अपने बैंक खातों का संचालन करने के लिए और निधियों का प्रेषण करने के लिए मोबाइल उपकरण का चैनल के रूप में उपयोग कर सके.

ग्राहकों के लिए सुरक्षा के उपाय के रूप में आपके बैंक ने आर.टी.जी.एस. / एन.ई.एफ.टी. और ए.टी.एम. लेनदेनों सहित सभी लेनदेनों के लिए ग्राहकों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजना आरंभ कर दिया है.

सावधि जमाओं की परिपक्वता की तिथि तथा ऋण किश्तों की देय तिथि के लिए भी ग्राहकों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजे जाते हैं.

वित्तीय समावेशन योजना

बैंक को स्वाभिमान के अंतर्गत 730 गांव आवंटित किए गए हैं और स्वाभिमान के विस्तार के अंतर्गत 617 गांव आवंटित किए गए हैं.

बैंक को आवंटित 1347 गांवों में से 70 गांव भौतिक शाखाओं द्वारा वित्तीय समावेशन में शामिल किए गए और 1277 गांव कारोबार प्रतिनिधि मॉडेल के माध्यम से वित्तीय समावेशन के अंतर्गत शामिल किए गए.

वित्तीय समावेशन योजना में बैंकिंग शाखा उपलब्ध कराने के अतिरिक्त अन्य सुविधाएं जैसे जैसे शून्य जमा खाते, शून्य जमा खाते में अंतर्निहित ओवरड्राफ्ट सुविधा, उद्यमीय साख, प्रेषण सुविधाएं, सूक्ष्म बीमा उत्पाद और देना किसान क्रेडिट कार्ड तथा देना जनरल क्रेडिट कार्ड भी शामिल हैं.

बैंक ने गुजरात राज्य में कुछ चुने हुए शहरी क्षेत्रों में शहरी गरीबों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए शहरी वित्तीय समावेशन योजना भी आरंभ की है. 2012-13 के दौरान बैंक ने 199 कियोस्क स्थापित किए जबकि लक्ष्य 100 कियोस्क का था.

प्रथम चरण में पहचान किए गए 43 जिलों में से, बैंक ने 34 जिलों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कार्यान्वित कर दिया है, जिनमें बैंक की 170 शाखाओं के माध्यम से उपस्थिति है.

डी.बी.टी. के दूसरे चरण में 78 जिलों में से बैंक ऐसे 40 जिलों में कार्यान्वयन के लिए तैयार है जिनमें 195 शाखाओं के माध्यम से बैंक की उपस्थिति है.

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी द्वारा समाज के कल्याण में योगदान के लिए बैंक ने सामाजिक परियोजनाएं आरंभ की है जिससे जीवनयापन के साधन तैयार होंगे और ग्रामीण रूपांतरण और शिक्षा में भी योगदान होगा. इन प्रयासों में आपके बैंक ने कुछ अतिआवश्यक विकास संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए कदम उठाए हैं. बैंक ने रू.150.00 लाख की पूंजी के साथ देना ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान (डी.आर.डी.एफ.) की स्थापना करके उन जिलों में **ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी)** स्थापित किए हैं जिनमें बैंक अग्रणी बैंक की जिम्मेदारी संभाल रहा है.

In mobile banking arena, your bank introduced Immediate Payment Service (IMPS) launched by National Payment Council to enable bank customers to use mobile instruments as a channel for accessing their bank accounts and remit funds

As a customer protection measure, your Bank has started sending SMS Alert to customers for all transactions including RTGS / NEFT and ATM transactions.

SMS Alerts are sent to customers for due dates of Term Deposits as well as Loan installments also.

Financial Inclusion Plan

Bank has been allotted 730 villages under Swabhimaan and 617 villages under Extension of Swabhimaan.

Of 1347 villages allotted to the Bank, 70 villages are covered through Brick and Mortar Branch and 1277 villages have been covered through Business Correspondent model.

The Financial Inclusion plan apart from providing banking outlets, also includes facilities like No Frills Accounts, Inbuilt Overdraft facility in the No Frills Accounts, Entrepreneurship Credit, Remittance facilities, Micro-Insurance products and issuance of Dena Kisan Credit Cards and Dena General Credit Cards.

Bank has embarked upon urban financial inclusion plan for providing Banking services to urban poor in select urban areas in the state of Gujarat. Bank has set up 199 Kiosks against target of setting up 100 Kiosks in urban areas during 2012-2013.

Bank has already implemented Direct Benefit Transfer in 34 districts where Bank has presence through its 170 branches out of 43 districts identified in phase 1.

In phase II of DBT, Bank is in state of readiness for implementation in 40 districts where Bank has presence through its 195 branches out of 78 districts.

Corporate Social Responsibilities

In its endeavor to contribute to the society by way of Corporate Social Responsibility, Bank has taken initiatives for social projects which can facilitate visible change in creating sustainable livelihoods and contribute to rural transformation and education. In these efforts your Bank has taken initiatives to address to some of the pressing developmental challenges. Bank has set up **Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs)** in districts where your Bank is shouldering the responsibility of Lead Bank by forming Dena Rural Development Foundation (DRDF) with a corpus of ₹150.00 lacs

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

आपका बैंक अपने सेवा क्षेत्र के **गांवों में बालिकाओं की शिक्षा भी प्रायोजित** कर रहा है. इस योजना के अंतर्गत बैंक गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की पहचान की गई बालिकाओं को रू.2000/- तथा रू.1500/- प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान करता है. इन बालिकाओं का चयन बैंक के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत गांवों के प्रत्येक स्कूल में 7वीं कक्षा में प्रथम तथा द्वितीय रैंक के आधार पर किया जाता है. इस योजना के अंतर्गत बैंक ने अब तक 2330 बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की है.

बैंक ने यूनायटेड इंडिया इंश्यूरेंस कंपनी (यू.आई.आई.सी.) के साथ गठबंधन करके डी.के.सी.सी. उधारकर्ताओं के लाभ के लिए एक योजना बनाई है. उसके अंतर्गत किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को अधिकतम रू.30000/- तक नि:शुल्क कैशलेस **मेडिक्लेम** सुविधा प्रदान की जाती है. इस योजना के लिए रू.8.00 करोड़ की निधि आवंटित की गई है.

भावी योजनाएं

भारतीय रिज़र्व बैंक के नीति वक्तव्य में ऐसे मामलों की ओर ध्यान दिए जाने के फलस्वरूप, जो वृद्धि के लिए प्रमुख हैं, मुद्रा स्फीति के दबाव को रोकने में सहायक है और अर्थव्यवस्था के उत्पादक सेक्टर को पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए तरलता का प्रबंधन करते हैं, 2013-14 के लिए जी.डी.पी. में 5.7% वृद्धि होने की संभावना है. अर्थ व्यवस्था में वृद्धि बनाए रखने का आधार वर्ष के दौरान निवेश में वृद्धि के कारण तरलता बनी रहने और मुद्रा स्फीति स्थिर रहने के अनुमान पर आधारित है.

वर्ष 2013-14 के दौरान संतुलित वृद्धि की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर खाद्य साख में 15% तथा जमा राशियों में 14% वृद्धि होने का अनुमान लगाया है.

बैंक ने विभिन्न सेक्टरों में वृद्धि की दर बनाए रखने के लिए योजना बनाई है. अपना ग्राहक आधार बढ़ाने के लिए बैंक देश के विभिन्न भागों में नई शाखाएं खोलेगा.

आगे, बैंक एम.एस.एम.ई., रिटेल तथा कृषि जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा और अपने साख संविभाग को विविधता प्रदान करेगा.

प्लैटिनम जयंती वर्ष के दौरान बैंक ने हाल ही में विभिन्न नए उत्पाद आरंभ किये हैं जैसे गिफ्ट और ट्रवेल कार्ड, ऑन लाइन सावधि जमा जारी करना, एस.एम.एस. आधारित शिकायत निवारण सेवा आरंभ करना और बैंक को ग्राहक उन्मुखी बनाने के लिए स्मार्ट फोन और टैबलेट द्वारा उपयोग करने की सुविधा देना.

वित्तीय समावेशन के लिए भारत सरकार के निदेशों के अनुसार बैंक गुजरात और महाराष्ट्र राज्य में कुछ चुने हुए शहरी क्षेत्रों में प्रवासी कामगारों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके शहरी वित्तीय समावेशन का कार्य आरंभ करेगा.

Your Bank has also been **Sponsoring Education of Girl Child** in the villages served by the Bank. Under the scheme the Bank has been providing scholarships of ₹2000/- and ₹1500/- per annum to identified girl student belonging to Below Poverty Line (BPL) family who are selected from each of the schools based on first and second rank secured in 7th Standard from the villages under the command area of the Bank.The Bank has so far provided scholarships to 2,330 girl students under the scheme.

Bank under tie-up with United India Insurance company (UIIC) has devised a scheme for the benefit of DKCC Borrowers to provide free cashless **mediclaim** facility to the farmers & their family members with maximum cover up to Rupees Thirty Thousand. A corpus of ₹ 8.00 crores has been allocated for this scheme.

Future Outlook:

With the Reserve Bank of India policy stance intending to address issues which are prominent to growth, ensuring safe guards against inflationary pressures and manage liquidity to ensure adequate credit flow to the productive sectors of the economy, the GDP growth outlook for 2013-14 is expected to be around 5.7 %. The expectation on maintaining the economic growth is based on the assumptions of increase in investment due to easing of liquidity and stabilization of the inflation during the year.

In view of the moderate growth expectations, for the year 2013-2014, Reserve Bank of India has projected 15% growth in Non Food Credit and 14% growth in deposits.

The Bank's strategy in maintaining its momentum of growth shall be multi pronged. In order to expand its customer base, Bank will be opening new Branches in various parts of the country.

Further, Bank shall concentrate on thrust areas such as MSME, Retail and Agriculture and diversify its credit portfolio.

During Platinum Jubilee year, Bank has recently launched various new products like Gift and Travel Cards, Issuance of On Line Fixed Deposits, SMS based grievance redressal service and apps on smart phones and tablets to make the Bank more customer friendly.

In line with the Government of India initiatives on Financial Inclusion, the Bank will embark upon its urban financial inclusion plan by providing banking services to migrant workers / labourers in select urban areas of Gujarat and Maharashtra.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

आभार

मैं बैंक के सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करता हूं तथा भविष्य में भी उनके सतत समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

मैं भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त करता हूं.

बैंक के निदेशक मंडल से प्राप्त महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग के लिए भी अपना आभार व्यक्त करता हूं.

मैं वित्तीय संस्थानों / बैंकों और प्रतिनिधियों के प्रति भी बैंक को उनके द्वारा दिए गए सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं.

स्टाफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्त्वपूर्ण योगदान के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति संभव नहीं होती. मैं बैंक के त्वरित कारोबार विकास तथा प्रगति में आपसे निरंतर सहयोग की आशा रखता हूं.

निदेशक मंडल के लिये और उनकी ओर से

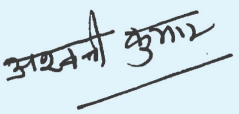

अश्वनी कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई
दिनांक : 29.05.2013

Acknowledgements:

I express my sincere thanks to the Bank's valued customers, shareholders and well wishers for their valuable contribution to the progress of the Bank and seek their continued support and co-operation in future.

I acknowledge with gratitude, the timely advice, valuable guidance and support received from Government of India and Reserve Bank of India.

I also acknowledge the valuable guidance, support and co-operation received from the Directors on the Board of the Bank.

I am also thankful to the Financial Institutions / Banks and Correspondents for their cooperation and support to the Bank.

I wish to place on record, the deep appreciation of the valuable contribution of the staff, at all levels, without which the progress achieved, would have been unattainable. I look forward to your continued cooperation in faster business development and progress of the Bank.

For and on behalf of Board of Directors

Ashwani Kumar
Chairman & Managing Director

Place: Mumbai
Date: 29.05.2013